CRIME BS इंडिया आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक
आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : पवन मस्के

● वर्ष -०४ ● अंक - १२ ● बुधवार दि.१२ मार्च २०२५ ● RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ● पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ● Gmail-awazbhandara@gmail.com

तुमसर में MP से आ रही ओवरलोड रेती की गाड़ियों पर क्यों नहीं हो रही कार्रवाई?

MP से 90 ब्रास रॉयल्टी तो 90 ब्रास ओवर लोड रेती की गाड़ी कैसे चल रही है

संबंधित अधिकारी ओवर लोड गाड़ी पकड़ने से गाड़ी चालक कहता है की साहब प्राइवेट टेक्स भरा है

जी आर के साफ लिखा है की गाड़ी में समता से अधिक रेती होने पर करवाही होंगी ?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : महाराष्ट्र में अवैध रूप से मध्यप्रदेश से आ रही ओवरलोड रेती की गाड़ियों पर प्रशासन की अनदेखी से सवाल खड़े हो रहे हैं। जीआर (शासन निर्णय) के अनुसार, तय सीमा से अधिक रेती ढोने वाली गाड़ियों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें तीन लाख रुपये तक का जुमार्ना भी शामिल है। इसके बावजूद, बड़ी संख्या में ओवरलोड गाड़ियां बेरोकटोक दौड़ रही हैं।

ओवरलोड गाड़ियों को क्यों मिल रही छूट?

स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित अधिकारी इन गाड़ियों पर कार्रवाई करने से बच रहे हैं। जब ट्रकों को रोका जाता है, तो वाहन चालक अधिकारियों को यह कहकर

गुमराह करते हैं कि उन्होंने प्राइवेट टैक्स भर रखा है। सवाल यह उठता है कि यह प्राइवेट टैक्स क्या है और क्या यह सरकारी नियमों के अंतर्गत आता है? **नियमों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं?**

महाराष्ट्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि तय सीमा से अधिक रेती ढोने पर गाड़ी जब्त होगी और भारी जुमार्ना लगाया जाएगा। लेकिन हकीकत इसके उलट दिख रही है। अगर सरकार के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए तो ओवरलोड रेती वाहतूक पर रोक लग सकती है, जिससे अवैध खनन पर भी लगाम लगेगी।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

तुमसर के नागरिकों ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी जल्द से जल्द ओवरलोड रेती गाड़ियों पर सख्त कार्रवाई करें। अगर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो जनता आंदोलन का रास्ता अपना सकती है।

अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मुद्दे पर कब जागता है और ओवरलोड रेती वाहतूक पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कार्रवाई कब की जाती है।

रेत से भरे टिप्पर ने ली फिर एक जान..

ट्रक की टक्कर से 11 वर्षीय बच्ची की मौत...

भंडारा-तुमसर हाईवे पर नागरिकों का रास्ता रोको आंदोलन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के वरठी में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां ट्यूशन क्लास खत्म कर गांव लौट रही एक दोपहिया को सामने से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में विराज मारवाडे और चालक विजय सेलोकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एकता सेलोकर उम्र 11 वर्ष की मौत हो गई। यह घटना रात के समय वरठी में घटी।

एकलारी गांव के विजय सेलोकर रोज की तरह बच्चों को ट्यूशन के बाद दोपहिया से घर वापस ले जा रहे थे, तभी सॅनफ्लॅग ओवरब्रिज पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने दोपहिया को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद हाईवे पर यातायात बाधित हो गया इस हादसे को लेकर वरठी और एकलारी के ग्रामीणों ने आज सुबह भंडारा-तुमसर हाईवे पर चक्का जाम आंदोलन किया। जिले में अवैध रेत माफियाओं का आतंक बढ़ता जा रहा है, और रेत से भरे ट्रकों के कारण कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इसके बावजूद, राजस्व प्रशासन इन अवैध रेत ट्रकों पर कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रहा है।

गोसीखुर्द परियोजना को बजट में फिर मिली 'तारीख पे तारीख'

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्य के वित्तमंत्री अजित पवार ने सोमवार को बजट प्रस्तुत किया। जिसमें भंडारा जिले में गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना पर बोलते हुए जून 2026 में बजट पूरा करने का लक्ष्य रखा। बजट में गोसीखुर्द बांध को पूरा करने के लिए 1.460 करोड़ रुपयों का प्रावधान किया है। इसके पहले भी अनेक मंत्रियों ने प्रकल्प को पूरा करने कई तारीख दी है। इससे पहले भी इस परियोजना की अवधि को लेकर कितनी बार अवधि को लेकर अलग अलग घोषणाएं की गई।

किंतु दी गई अवधि में परियोजना पूरी नहीं हुई। अब इस बार फिर से बजट प्रस्तुत फरते समय जून 2026 तक की तारीख दी गई। जिससे फिर से किसानों को सिंचाई के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ेगी क्या ऐसा सवाल उपस्थित हो रहा है। बजट सत्र के दौरान वित्तमंत्री अजित पवार ने जिले के महत्वपूर्ण गोसीखुर्द राष्ट्रीय परियोजना की जून 2026 तक पूरा करने का नियोजन होने की बात कही। इस परियोजना के तहत दिसंबर 2024 तक 12 हजार 332 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई क्षमता निर्माण हुई है।

सुगंधित तंबाकू के साथ 40.92 लाख का माल जब्त

2 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राष्ट्रीय महामार्ग पर कारधा पुलिस ने कारधा चौक में 22 लाख 22 हजार 212 रुपयों के सुगंधित तंबाकू व 15 लाख रुपए के वाहन, लोहे के चैनल समेत कुल 40 लाख 92 हजार 4 रुपयों का माल जब्त किया. पुलिस ने मध्यप्रदेश के पालदा इंदौर के कोहुर नगर निवासी बलराम रामुजी रिझोलिया (40) तथा इंदौर के मानपुर निवासी दिनेश अंबादास गुझेरिया (30) के खिलाफ मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार किया है.

कारधा पुलिस को जानकारी मिली थी कि, ट्रक में अवैध तरीके से सुगंधित तंबाकू का परिवहन किया जा रहा है. पुलिस उपनिरिक्षक कांबले, पुलिस नायक जाधव, पुलिस कान्स्टेबल मिश्रा ने टीम तैयार कर कारधा चौक में वाहनों की जांच शुरू की. इस दौरान आयशर ट्रक (क्र. सीजी 08 एआर 6050) को रोकने पर भारी मात्रा में बोरियों व डिब्बों में सुगंधित तंबाकू मिला. पलिस ने टक के चालक बलराम रिझोलिया से पूछताछ शुरू की. लेकिन वह टाममटोल जवाब देने लगा. वाहन में 22 लाख 22 हजार 212 रुपयों का सुगंधित तंबाकू, लोहे की चैनल तथा आयशर ट्रक सहित कुल 40 लाख 92 हजार रुपयों का माल जब्त किया गया. दोनों आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया.

उक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक नुरुल हसन, अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकाडे, उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रशांत कुलकर्णी के मार्गदर्शन कारधा थाने के थानेदार पुलिस निरीक्षक गणेश पिसाल, पुलिस उपनिरीक्षक कांबले, पुलिस नायक विकास जाधव, पुलिस कान्स्टेबल गायधने, मिश्रा ने की.

सेवा अधिकार अधिनियम का प्रचार करें

मुख्य आयुक्त मनु कुमार का मार्गदर्शन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्य लोक सेवा अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त मनुकुमार श्रीवास्तव ने महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम, 2015 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए व्यापक प्रचार और प्रसार अभियान चलाने और नागरिकों में इस अधिनियम के बारे में जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिए. मनुकुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में जिले में अधिनियम के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई.

बैठक में जिला कलेक्टर डॉ. संजय कोलते, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिलिंद कुमार साल्वे, निवासी डिप्टी कलेक्टर स्मिता बेलपत्रे और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे. बैठक के दौरान श्रीवास्तव ने कहा कि सेवा का अधिकार अधिनियम की जानकारी जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए सरकारी कार्यालयों के परिसरों में डिजिटल बोर्ड और

होर्डिंग्स लगाने की आवश्यकता है. उन्होंने निर्देश दिए कि आयोग की ओर से निर्धारित प्रारूप में नोटिस बोर्ड प्रकाशित किए जाएं तथा सेवा का अधिकार अधिनियम से संबंधित जानकारी के साथ-साथ विभाग की ओर से प्रदान की जाने वाली सेवाओं की सूची उपलब्ध कराने के लिए क्यूआर कोड उपलब्ध कराए जाएं. नये केन्द्र स्थापित करने के दिये निर्देश बैठक में स्पष्ट किया गया कि राज्य सेवा का अधिकार आयोग तथा सेवा का अधिकार अधिनियम की जानकारी जिला स्तरीय कार्यालयों की वेबसाइट पर प्रकाशित की जानी आवश्यक है तथा सेवा केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई जाए. बैठक में 'आपले सरकार सेवा केन्द्र' पहल के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी चर्चा की गई. जिले में संचालित एवं बंद सेवा केन्द्रों का निरीक्षण कर उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने तथा जहां सेवा केन्द्र नहीं हैं, वहां नये केन्द्र स्थापित करने के निर्देश दिये गये.

प्रकरणों का निराकरण करने के दिए निर्देश

सेवा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लंबित मामलों की समीक्षा की गई. निर्देश दिए गए कि लंबित प्रकरणों का निराकरण विशेष शिविरों के माध्यम से किया जाए, ताकि नागरिकों को समय पर सरकारी सेवाओं का लाभ मिल सके. यह भी कहा गया कि सेवा केन्द्रों एवं ग्राम पंचायतों में शिकायत पेटियां उपलब्ध कराई जाएं तथा नागरिकों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाए कि शिकायत दर्ज कराने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा. बैठक के अंत में जिला कलेक्टर कोलते ने जिले के सभी सरकारी कार्यालय प्रमुखों को अपने विभागों में लंबित सेवाओं को तुरंत निपटाने के निर्देश दिए.

आयुध निमार्णी विस्फोट मामले में 4 पर FIR

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : आयुध निमार्णी भंडारा में 24 जनवरी को हुए भीषण विस्फोट में 8 कर्मचारियों की मौत हो गई थी, जबकि 4 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे. बाद में एक और कर्मचारी उपचार के दौरान मृत घोषित किया गया. हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया. विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के गांवों की

जमीन भूकंप की तरह हिल गई और भंडारा शहर तक धमाके की आवाज सुनाई दी. घटना के बाद मजदूरों ने तीव्र आंदोलन शुरू कर दिया था. वरिष्ठ अधिकारियों के गैर जिम्मेदाराना बयानों के कारण आंदोलन और भी उग्र हो गया, जिससे प्रशासन को उच्च स्तरीय ध्यान देना पड़ा. इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों ने विस्फोट की गहन जांच शुरू की.

जांच के बाद विस्फोट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के नाम सामने आए हैं. इसके चलते आयुध निमार्णी भंडारा के देवेंद्र रामदास मीना (49), मेंटेनेंस विभाग के जूनियर वर्क मैनेजर आदिल रसील फारुकी (46), सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी संजय सुरेश धपाड़े (44) और सेक्शन प्रभारी अधिकारी आनंदराव मधुकरराव फाये (50) के खिलाफ आधिकारिक रूप से आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं. यह कार्रवाई पीड़ित परिवारों के लिए न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

विजयकुमार (जैकी) रवलानी बने शिवराज्य वाहतुक सेना के पूर्व विदर्भ अध्यक्ष

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा: विजयकुमार (जैकी) रवलानी को शिवराज्य वाहतुक सेना के पूर्व विदर्भ अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति पर भंडारा जिले के नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शिव सेना राज्य वाहतुक सेना, नागपुर ज़िला अध्यक्ष स्वप्निल बोरोडे ने शाल और फूलगुच्छ देकर जैकी रवलानी जी का सम्मान किया। महाराष्ट्र राज्य उपाध्यक्ष किरण मिलिंद जाधव द्वारा इस नियुक्ति की घोषणा की गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पूर्व विदर्भ में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

नागरिकों का समर्थन और बधाइयां

भंडारा जिले के नागरिकों, समर्थकों और शिवराज्य वाहतुक सेना के पदाधिकारियों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। यह नियुक्ति निश्चित रूप से वाहतुक सेना के कार्यों को मजबूती देगी और संगठन को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

खाजगी सब्जी बाजार का नाम बदलने की ओबीसी समाज की मांग

भंडारा शहर के ठोक सब्जी भाजी मंडी का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले मार्केट करे ओबीसी संघटना की मांग

खाजगी सब्जी भाजी मंडी का नाम बदलने किया आंदोलन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शहर के खाजगी सब्जी बाजार को महात्मा ज्योतिबा फुले बाजार नाम देने की मांग ओबीसी समाज ने आंदोलन के दौरान की। यह बाजार 50 वर्षों से अधिक पुराना है, जिसे बीटीबी संस्था ने निजी बाजार में बदल दिया था जिस कारन इस बाजार में किसान, व्यापारी और नागरिकों की लुट की जा रही थी इस अन्याय को देखकर बीटीबी हटाव संघर्ष समिति ने आंदोलन कर किसान, व्यापारी और नागरिकों को न्याय दिलाया पर अबतक सब्जी बाजार नाम बदला नहीं गया है इस कारन ओबीसी समाज ने आंदोलन कर मांग की है की नगर परिषद में लिए गए प्रस्ताव के

अनुसार भंडारा के थोक सब्जी मंडी को तुरंत महात्मा ज्योतिबा फुले मार्केट का नाम दिया जाए। सब्जी मंडी के सरकारी जगह पर पूरी तरह से नगर परिषद का प्रबंधन रहे।

मंडी में वाजिब दरों से किसानों से वसूला जा रहा रुपया सरकारी खजाने में जमा किया जाए। मंडी में हो रही किसानों की लूट रोकी जाए। ऐसी अन्य मांगों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चा निकाला गया एवं सभा के पश्चात अपनी मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया।

ज्ञापन सौंपते समय ओबीसी जनगणना परिषद के सदानंद इलमे, डा. बालकृष्ण सार्वे, पांडुरंग फुंडे, भगीरथ धोटे, वामनराव गोंधले, अरुण लुटे, के. जेड शेंडे, शिवा आजबले, एमडीएम सब्जी मंडी के महेंद्र मेंढे, अरुण जगनाडे, अजाव चिचामे, दत्तात्रय वानखेडे, गुणवंत पंचबुधे, उमेश सिंगनजुड़े आदि मान्यवर उपस्थित थे।

संपादकीय

ही पराव पुष्वाची गौरवास्पद नव्हे

पुणे येथे काल अत्यंत लज्जास्पद घटना घडली आणि ज्या पुण्याने लोकमान्य टिळक, महादेव गोविंद रानडे यांच्यासाखे अनेक ऋषीतुल्य माणसे दिली त्या पुण्यात लज्जास्पद घटना घडली. यामुळे सारे पुणे शहर हादरले आणि त्यावर आता गदारोळ सुरू झाला आहे, पण या घटनेच्या पाठीशी जो कुणी आहे त्याला सोडले जाणार नाही याची काहीच गॅरंटी नाही. कारण या लज्जास्पद घटनेतील आरोपी एक सधन वगीर्तील आहे आणि त्याला मद्यधुंद अवस्थेत लघुशंका करताना त्याचा व्हीडिओ व्हायरल झाला आहे. आरोपी कुणीही असो. त्याच्यापाठीमागे बडे बाप के बेटे असल्याने पोलीस काही तरी कारवाई करणार नाहीत किंवा अगदी थातूरमातूर कारवाई करतील आणि प्रकरण दाबले जाईल. रस्त्यात या तरुणाने लघुशंका केलीच पण अश्लील चाळेही केले. त्यानंतर आता पोलीस कारवाई करण्याच्या मागे लागले आहेत आणि त्यांनी या तरुणाला ओळखले आहे आणि त्याला लवकरच पोलीस पकडतील.

पण नंतरची भूमिका महत्त्वाची आहे आणि ती म्हणजे राजकीय दबाव. या तरुणाला तो उच्चभ्रू असल्याने सोडवण्यासाठी दबाव येणारच नाही असे नाही, तर उलट जास्तच दबाव येईल. पुण्यात गेल्या काही दिवसांपासून स्वारगेट येथील बसमध्ये बलात्कार करण्यात आला होता आणि त्या आधी काही दिवसापूर्वी पोर्शे गाडीतून अशाच मद्यधुंद तरुणांने अपघात करून दोघांना उडवले होते. मुंबईमध्ये नेहमी घडणाऱ्या घटना आता पुण्यातही होऊ लागल्या आहेत हे चिंताजनक आहे. कारण पुणे पूर्वी असे नव्हते. येथे संस्कृती नांदत होती आणि पुण्याचा आदर्श घेऊन अवघा महाराष्ट्र चालत असे. पण आजकाल पुणे तसे राहिलेले नाही हे वास्तव पुन्हा पुन्हा पुण्यातील या घटना दर्शन देत आहेत. पुण्यातील स्थानिक लोक जास्त नाहीत. जे काही आहेत ते बाहेरचे आहेत आणि त्यात परप्रांतियांचा भरणा जास्त आहे. त्यामुळे हे होत असेल असे मानण्यास जागा आहे. पुण्यात पूर्वी पब संस्कृती नव्हती, दारूचे उघड उघड चालणारे धंदे नव्हते आणि लोक मर्यादा पाळून जे काही करायचे ते करत. पण आज पुण्यात कुणालाच कसलाच धरबंद रा- हला नाही हे सत्य आहे.

पुण्यात मद्यधुंद अवस्थेत वाहन चालवून अपघात घडण्याचे प्रकार अनेक घडले आहेत, पण बीएमडब्ल्यू गाडी चालवून मद्यधुंद तरुणाने लघुशंका करण्याचा प्रकार प्रथमच घडला असावा. स्थानिकांनी या तरुणास हटकले असता त्याने उर्मट उत्तरे देऊन पळ काढण्याचा प्रयत्न केला. या घटनेने पुणे तर हादरलेच पण राजकीय पक्षांनी प्रतिक्रिया दिल्या आहेत. त्यात राजकीय पक्षांचे अनेक नेते असले तरी अशा लोकांना वाचवणारेही हेच लोकं असतात. याचाच अर्थ आपण पूर्वीच्या घटनांपासून कुणीही धडा घेतलेला नाही. याचा अर्थ असा की, या लोकांच्या मागे राजकीय आशीर्वाद असतोच आणि त्यामुळे कोणाचेही काहीच चालत नाही. पोलिसांनी या तरुणाला पकडले हे बरे केले. पण त्याला जबर शिक्षा होईल की, नाही हा प्रश्न वेगळाच आहे. कारण या तरुणाच्या पाठीशी त्याचे राजकीय आका उभे राहतील आणि येथे बिहारसारखी परिस्थिती उद्भवलेली दिसू शकेल. या घटनेनंतर अनेक प्रश्न निर्माण झाले आहेत. एवढी अलिशान गाडी असतानाही त्या मुलांना लघुशंकेसाठी सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध होऊ शकले नाही का आणि पोलीस ठिकठिकाणी उभे असतात पण त्यांच्या देखत असे प्रकार घडतात तरीही ते काहीही करू शकत नाहीत अशी मोठी विचित्र परिस्थिती पुण्यात तयार झाली आहे. याला कारणही तसेच आहे. एकेकाळी सांस्कृतिक राजधानी अशी ओळख असलेले पुणे शहर आता ड्रग्ज शहर म्हणून ओळखले जाऊ लागले आहे. त्यामुळे सारे काही गैरप्रकार या पुण्यात राजरोस घडताना दिसतात. पोलिसांवर आता जबाबदारी मोठी आहे. पण त्यांनी आपली जबाबदारी ओळखून ती व्यवस्थित पार पाडावी हीच पुण्यातील सच्छील नागरिकांची अपेक्षा आहे. पुण्याला ड्रग्जचा विळखा पडला आहे आणि पूर्वी पंजाबसारखी जशी परिस्थिती असते तशीच आज पुण्याची आहे. पंजाब हे राज्य ड्रग्जच्या विळख्यात अडकले होते. आजही त्यातून ते राज्य बाहेर पडलेले नाही. पण आज पुण्यासारखी शहरे त्याचा घास होत आहेत.

पुण्यात काही महिन्यांपूर्वी घडलेले ललित पाटील प्रकरण आणि मेफेड्रोनचा प्रकार घडल्यानंतर हा प्रकार आता समोर आला आहे. त्यामुळे चांगले नागरिक पुण्यातच राहत नाहीत की काय अशी परिस्थिती निर्माण झाली आहे. पुण्याचा उडता पंजाब झाला आहे की काय अशी शंका येत असतानाच ताज्या प्रकरणाने पुण्याविषयक चिंतेत भर पडली आहे. पुण्यात दिवसेंदिवस पब संस्कृती पसरत आहे आणि या प्रकारानंतर तर तरुणाईबद्दल चिंता व्यक्त करावी अशी स्थिती आहे.

पिंपरी-चिंचवडसारखे ठिकाण तर बांगलादेशी घुसखोरांच्या ठिकाणाला उद्ध्वस्त करण्यात आले पण आता पुण्यात या संस्कृतीबरोबरच अश्लील चाळे करणारे तरुण दिसत आहेत आणि त्यामुळे पुण्याचे सामाजिक जीवन उद्ध्वस्त होत आहे. कोणत्याही परिस्थितीत पुण्याला यापासून वाचवायला हवे. त्यासाठी सजग नागरिकांनी एक जुटीने आवाज उठवून आसपास कुणी नवखा दिसला तरीही त्याविरोधात पोलिसांत तक्रार नोदवायला हवी.पुण्यातील घरमालकांनी सजग राहून आपल्या भाडेकरूंची व्यवस्थित चौकशी करूनच त्याला ठेवून घेतले पाहिजे. हे सारे पोलिसांकडून होतच असते. पण नागरिक म्हणूनही आपली काही जबाबदारी आहे याची जाणीव सवार्नी लक्षात ठेवून त्यानुसार कठोर वर्तन ठेवायला हवे. पुण्याचे एकेकाळी कोण कौतुक होते. कारण सारे चांगले लोक पुण्यात राहतात असा लौकिक होता. पण आज पुण्याचा लौकिक काय आहे तर चिमुरडीवर अत्याचार, मद्यधुंद तरुणांने भरधाव वेगाने वाहन चालवून निरपराध नागरिकांना ठार केले आणि वर त्याचे आई-वडील उच्चभ्रू असल्याने त्यांची सुटका, स्वारगेटमध्ये बसमध्ये भर रस्त्यात तरुणीवर बलात्कार होतो ही निश्चितच पुण्याची गौरवास्पद बाब नव्हे. पुण्याचे वास्तव सर्वांच्या डोळ्यांत अंजन घालणार आहे.

ट्रकांच्या वाहतुकीमुळे तुमसरातील वातावरणात पसरली धूळच धूळ

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : तुमसर शहरातून आंतरराज्य मार्ग जातो या मार्गाने दररोज शेकडो ट्रकची वाहतूक होते. धावत्या ट्रकमधून रस्त्यावर रेती, फ्लाय ॲश, मुरूम खाली पडतात. त्यामुळे रस्त्यावर धूळच धूळ पसरली आहे. ट्रक व टिप्पर वाहतुकीदरम्यान येथील वातावरणात धूळ दिसते. या धुळीमुळे दृश्यमानताही कमी होत असते. त्यामुळे अपघाताची शक्यता बळावली आहे. धुळीमुळे नागरिकांच्या आरोग्याला धोका निर्माण झाला आहे. सर्दी, खोकला व शिंका होण्याच्या त्रास वाढला आहे. नगरपरिषद प्रशासनाने या गंभीर समस्येकडे तत्काळ लक्ष देण्याची गरज आहे. तुमसर शहराला अजूनपर्यंत बायपास रस्ता झालेला नाही. मध्यप्रदेशातून येणारी जड वाहतूक शहरातील मुख्य रस्त्याने सुरू आहे. परिणामी याचा त्रात तुमसरवासियांना भोगावा लागत असल्याचे वास्तव आहे.

शहरातील श्रीराम नगरातून ट्रक व टिप्पर मोठ्या प्रमाणात चोवीस तास धावतात. यात रेती, फ्लाय ॲश, माती व मुरूम वाहतुकीच्या ट्रकची संख्या अधिक आहे. या ट्रकमधून वाहतुकीदरम्यान रस्त्यावर रेती, फ्लाय ॲश मोठ्या प्रमाणात वातावरणात पसरते. ही ॲश नाका तोंडाव्दारे शरीरात जात आहे. परिणामी आरोग्याची शक्यता नाकारता येत नाही. रूमाल व स्कार्फ वापरावे लागत आहे.

दृश्यमानता होते कमी

तुमसर शहरातील मुख्य मार्गावर धुळीच्या वाढत्या प्रमाणामुळे दृश्यमानता कमी होते. विशेषतः रात्रीच्या वेळेस ही दृश्यमानता कमी होते. त्यामुळे अपघाताची शक्यता बळावली आहे. नागरिकांना जीव मुठीत घालून प्रवास करावा लागत आहे. या मार्गावर रुग्णालय, बसस्थानक व दुकाने आहेत. हा अत्यंत वर्दळीचा मार्ग आहे.

फ्लाय ॲशचे कण धोकादायक

फ्लाय ॲशचे कण डोळ्यासाठी अत्यंत घातक आहेत. ही धूळ डोळ्यात गेल्यानंतर डोळे लाल होऊन खाजवतात. डोळ्यातून सतत पाणी बाहेर पडते. काही तास डोळ्यांची आगसुद्धा होते. त्यामुळे यावर गंभीर दखल घेण्याची गरज आहे.

मुलीच्या वयाच्या 11 वर्षीय बालिकेवर वकिलाकडून अत्याचार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : मुलीसोबत खेळण्यासाठी घरी आलेल्या शेजारच्या ११ वर्षांच्या बालिकेशी खोटे बोलून आत बोलावले आणि लैंगिक अत्याचार केला. बालिकेने घरी जाऊन आपल्या आईला आपबीती सांगितल्यावर सोमवारी रात्री ११:१६ वाजता तक्रारीनंतर पोक्सोसह अनेक कलमांखाली अटक करण्यात आली.

विजय रेहपाडे (४८) असे या नराधम आणि विकृत वकिलाचे नाव असून त्याची रवानगी न्यायालयीन कोठडीत करण्यात आली आहे. पोलिसांनी दिलेल्या माहितीनुसार, ३७ वर्षीय तक्रारदार महिला तिच्या १३ वर्षाच्या मुलासह आणि ११ वर्षाच्या मुलीसह भंडारा येथे राहते. त्याची मुलगी ३ मार्च रोजी दुपारी १ वाजेच्या सुमारास शाळेतून घरी आली. संध्याकाळी ७वाजेच्या सुमारास खेळण्यासाठी नेहमीप्रमाणे तिच्या मैत्रिणीच्या घरी गेली. यावेळी मैत्रिणीचे वडील ॲड. विजय रेहपाडे हा घरीच होता. तुझी मैत्रीण आत बेडरूममध्ये खेळत आहे, असे खोटे सांगून त्याने तिला बेडरूममध्ये पाठविले. त्यानंतर पाठोपाठ जाऊन बेडरूममधील लाइट बंद केले आणि तिच्यावर लैंगिक अत्याचार केला. पीडित बालिकेने कशीबशी त्याच्यापासून स्वतःची सुटका करून घेत संध्याकाळी ७:३० च्या सुमारास रडत स्वतःचे घर गाठले. आईने रडण्याचे कारण विचारले तेव्हा तिने आपबिती सांगितली.

मुलीने सांगितलेला प्रकार ऐकताच आईच्या पायाखालची वाळूच घसरली. स्वतःला सावरत आणि प्रसंगावधान राखत आईने मुलीसह भंडारा पोलिस ठाण्यात जाऊन तक्रार दाखल केली.

जे.एम.पटेल महाविद्यालयात नवीन कायदेविषयक कार्यशाळा संपन्न

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : स्थानिक जे.एम.पटेल कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय भंडारा येथे आंतरराष्ट्रीय महिला दिनाचे औचित्य साधून नवीन कायदेविषयक कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले.

कार्यशाळेत महाविद्यालयाचे प्रभारी प्राचार्य डॉ. श्रीधर शर्मा यांनी नवीन कायद्याची प्रभावी अंमलबजावणी होण्यासाठी तसेच जनसामान्यांना व अंमलबजावणी यंत्रणेला कायद्याची ओळख करून देणे हा या कार्यशाळा आयोजीत करण्यामागील उद्देश स्पष्ट केला.

कुमारी पूनम कुंभारे, पोलीस उपनिरीक्षक, पोलीस स्टेशन भंडारा यांनी विद्यार्थ्यांना नवीन कायदेविषयक माहिती दिली. तसेच पोलीस विभागातील उपलब्ध संधी बद्दल सुद्धा विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले.

समाज कल्याण विभागामार्फत आलेले निलेश राऊत व मोहन घनगाडे यांनी विद्यार्थ्यांना समाज कल्याण विभागामार्फत मिळणाऱ्या विविध स्कॉलरशिप बद्दल विस्तृत माहिती दिली.

कार्यक्रमाचे यशस्वी आयोजनासाठी अंतर्गत गुणवत्ता हमी कक्षाचे समन्वयक डॉ. कार्तिक पनीकर, श्री अनुप वालदे, पोलीस नाईक, रीना नागुलकर पोलीस शिपाई उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन व आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रा. भोजराज श्रीरामे यांनी केले.

कार्यक्रमाच्या यशस्वी आयोजनासाठी डॉ. प्रतिभा पालीवाल, डॉ. जितेंद्र किरसान, प्रा.सुनील शेंडे, डॉ. नयना सोनवाने, प्रा. सुरज नखाते आणि राष्ट्रीय छात्र सेना व राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विद्यार्थ्यांनी मोलाचे सहकार्य केले.

डोंगरगाव येथे जागतिक महिला दिन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

आंधळगाव : ग्रामपंचायत कार्यालय डोंगरगाव येथे जागतिक महिला दिन मोठ्या उत्साहात साजरा करण्यात आला. क्रांतिजोती सावित्रीबाई फुले व राजमाता जिजाऊ यांच्या प्रतिमेला माल्यार्पण करून कार्यक्रमाची सुरुवात करण्यात आली.

कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी सरपंच शालु लांजेवर होते. त्यांनी सावित्रीबाई फुले यांनी केलेल्या सामाजिक कार्याची माहिती उपस्थित महिलांना दिली. यावेळी कार्यक्रमाला उपस्थित उपसरपंच महेंद्र गभणे, सचिव भेलावी, ग्रा.पं. सदस्य राहुल सेलोकर, रंजना न्यायखोर, प्रीती समरीत, नंदा उईके, कर्मचारी उपस्थित होते.

बसमध्ये केवळ जीपीएस लावून कशे चालणार? नागरिकांना बसचे लोकेशन केव्हा कळणार?

भंडारा : प्रवाशांना एसटी बसचे लाइव्ह लोकेशन कळावे, यासाठी राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या वतीने प्रत्येक बसमध्ये जीपीएस लावण्यात आले आहे; परंतु जीपीएस असतानाही प्रवाशांना अजून तरी बसचे लोकेशन कळत नसल्याचे चित्र आहे. या सुविधेसाठी आणखी काही महिने प्रतीक्षा करावी लागणार असल्याची माहिती आहे.

राज्य परिवहन महामंडळाच्या सर्वच बसेसमध्ये नवीन वर्षापासून व्हेइकल ट्रॅकिंग सिस्टीम ॲप्लिकेशनच्या माध्यमातून बस स्थानकात कधी येणार, बिघाड झाल्यास बसला किती वेळ लागणार किंवा निश्चित ठिकाणी जाण्यासाठी प्रवाशांना किती वेळ लागणार अशी महत्त्वाची माहिती या ॲपच्या माध्यमातून प्रवाशांना मिळणार होती. जिल्ह्यात भंडारासह साकोली, तुमसर आणि पवनी या चार आगारांचा समावेश आहे. या आगाराअंतर्गत धावणाऱ्या प्रत्येक बसचे प्रवाशांना लाइव्ह लोकेशन कळावे. जेणेकरून प्रवाशांना बसस्थानकावर येऊन प्रतीक्षा करण्याची वेळ येणार नाही. त्यासाठी ही सुविधा महत्त्वपूर्ण ठरणार आहे; परंतु सध्या तरी ही सुविधा सुरू झाली नाही. मोबाइलवर लाइव्ह लोकेशन पाहता येत नाही. लोकेशन कधी होणार असा प्रश्न आहे.

ॲप'चे काय झाले?

परिवहन विभागाच्या बसमधून प्रवास करणाऱ्या प्रवाशांना बसचे लोकेशन माहिती करून घेण्यासाठी सध्या तरी कुठलीही सिस्टिम सुरू नाही. त्यासाठी अजून वाट बघावी लागणार आहे. प्रशासन सिस्टीम सुरु असून कर्मचाऱ्यांना माहिती असल्याचे सांगत आहेत.

एसटी बसला जीपीएस बसेसला जीपीएस बसविले आहे; परंतु ही सिस्टिम प्रवाशांच्या सेवेत अद्याप तरी सुरू नाही. बसमधील जीपीएस प्रायोगिक तत्त्वावर आहे. त्यामुळे प्रवाशांना या सिस्टिमचा उपयोग होत नसल्याचे सांगण्यात आले.

प्रवाशांना एसटी बसचे लाइव्ह लोकेशन कळावे, यासाठी महामंडळाच्या वतीने प्रयत्न करण्यात येत असून, त्याअनुषंगाने जीपीएस सिस्टिम, ॲप विकसित करण्यात आले आहे. येणाऱ्या काही महिन्यांत ही सुविधा उपलब्ध होईल.

- तनुजा अहिरकर, विभागीय नियंत्रक

विद्युत धक्क्याने शेतकरीपुत्राचा शेतातच मृत्यू !

वायर उचलणे जीवावर बेतले, झरप शेत शिवारातील घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : स्वतःच्या शेतात उन्हाळी धानाची लागवड सुरू असताना शेतात गेलेल्या १७वर्षीय शेतकरीपुत्राने धुऱ्यावर मोटारपंपचा केबलवायर हाताने बाजुला करणे चांगलेच अंगलट आले. विद्युत धक्क्याने शेतकरीपुत्राचा शेतातच मृत्यू झाला. सदर घटना दि. ९ मार्च रोजी दुपारी दीड वाजता दरम्यान लाखनी तालुक्यातील झरप शेतशिवारात घडली. योगेश विजय दोनोडे (१७) रा. मेंढा/भूगाव असे मृतक तरूणाचे नाव आहे.

सिंचनाची सोय असलेल्या शेतकऱ्यांनी यावर्षी उन्हाळी धानाची लागवड केली असून काही शेतकऱ्यांची रोवणी सुरू आहे. मेंढा/भूगाव येथील विजय दोनोडे यांच्या झरप शेतशिवारातील शेतात उन्हाळी धानाची रोवणी सुरू असल्याने मुलगा योगेश दोनोडे हा गेला होता. शेतात काम करीत असताना त्याने धुऱ्यावरील मोटारपंपचा केबलवायर हाताने बाजुला करीत असताना त्याला विद्युत धक्का बसल्याने तो जागीच गतप्राण झाला. योगेश हा मुरमाडी/तुप येथील जि. प. कनिष्ठ महाविद्यालयात ११ व्या वर्गात शिकत होता. माहिती मिळताच पालांदूर पोलिसांनी घटनास्थळ गाठून पंचनामा केला व प्रेत शवविच्छेदनाकरिता पाठविण्यात आले. त्याच्या पार्थिवावर स्थानिक स्मशानभूमित शोकाकूल वातावरणात अंत्यसंस्कार पार पडले. योगश हा एकुलता एक असल्याने गावात त्याच्या मृत्यूने हळहळ व्यक्त केली जात आहे. याप्रकरणी पालांदूर पोलिसात मर्ग दाखल करण्यात आला असून तपास पोहवा दिवठे करीत आहेत

आस्थापनांना फायर सेफ्टी ऑडिट करणे बंधनकारक ! नाहीतर येऊ शकते नोटीस

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्यातील प्रमाणित केलेल्या शासकीय, औद्योगिक आणि व्यावसायिक आस्थापनाधारकांना, रुग्णालयांना सुरुवातीलाच इमारतीत फायर सेफ्टी यंत्रणा कार्यान्वित करावी लागते, तसेच प्रत्येक वर्षी फायर सेफ्टी ऑडिट करून त्याचा 'बी फॉर्म' अग्निशमन विभागाकडे भरून द्यावा लागतो. ज्या आस्थापनांकडे फायर सेफ्टी ऑडिट नाही, त्यांचे परवाने रद्द केले जाऊ शकतात.

शासकीय, निमशासकीय कार्यालय, खासगी आस्थापनाधारकांनी वर्षभरात दोनदा फायर ऑडिट करण्याचा नियम आहे. आस्थापनाधारकांनी नियमित वेळेत फायर ऑडिट करण्याच्या सूचना नगर परिषदेच्या अग्निशमन विभागाकडून दिल्या जातात; परंतु, अनेकदा सूचनांकडे दुर्लक्ष केले जाते.

फायर सेफ्टी ऑडिट म्हणजे काय?

फायर सेफ्टी ऑडिट पात्र अग्निसुरक्षा व्यावसायिक, अग्निसुरक्षा सल्लागार किंवा अग्निसुरक्षा व्यवस्थापन आणि नियमांमध्ये कौशल्य असलेल्या सक्षम मूल्यांकनकर्त्यांद्वारे केले जाते.

नियमांचे उल्लंघन केल्यास काय कारवाई?

फायर सेफ्टी यंत्रणा बसविल्याशिवाय परवानाच दिला जात नाही, तरीही नियमांचे उल्लंघन केल्यास, फायर सेफ्ट यंत्रणा बसविली नसल्याचे आढळून आल्यास त्याला तीन दिवसांची नोटीस दिली जाते. त्यानंतर सात दिवसांची नोटीस दिली जाते. त्यानंतरही काही केल नाही, तर त्यांचे वीज, पाणी, परवाना रद्द करण्यास सांगितले जाते. शिवाय परवानाही रद्द होऊ शकतो.

फायर सेफ्टी आवश्यक; दुर्घटना टळू शकते

नागरिकांच्या सुरक्षेसाठी फायर सेफ्टी यंत्रणा बसविली पाहिजे, कायद्याने ते सक्तीचे आहे. आग लागणारच नाही, अशी हमी कोणीही देऊ शकत नाही; पण लागलीच तर ती आपण फायर सेफ्टी यंत्रणेमुळे तत्काळ आटोक्यात आणू

जिल्ह्यात १७ हजार लाडक्या बहिणी ठरल्या लाभास अपात्र !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्यातील विधानसभा निवडणुकीपूर्वी लाभार्थी म्हणून पात्र ठरविण्यात आलेल्या भंडारा जिल्ह्यातील लाडक्या बहिणींच्या प्रस्तावांची ७मार्चपूर्वीच फेरतपासणी पूर्ण झालेली आहे. या तपासणीत जिल्ह्यातील १७हजार १८३ लाडक्या बहिणींना वेगवेगळ्या कारणांमुळे मुख्यमंत्री- माझी लाडकी बहीण योजनेच्या लाभासाठी अपात्र ठरविण्यात आले आहे. सत्तेत बसलेल्या भावाने निवडणूक जिंकण्यासाठी आपली फसवणूक केल्याची भावना व्यक्त होत आहे.

योजनसाठी अपात्र झालेल्यांकडून यापूर्वी दिलेली अनुदानाची रक्कम मात्र परत घेतली जाणार नाही. मात्र, त्यांचे अनुदान थांबविण्यात आले आहे. भंडारा जिल्ह्यात मुख्यमंत्री - माझी लाडकी बहीण योजनेसाठी नारीशक्ती ॲपच्या माध्यमातून सुमारे २ लाख ९९ हजार ८७१ महिलांनी प्रस्तावाची नोंदणी केली होती. यापैकी २ लाख ८२ हजार ७८८ महिला 'मुख्यमंत्री - माझी लाडकी बहीण' या योजनेसाठी पात्र ठरविण्यात आल्या. विधानसभा निवडणुका आटोपून नवीन सरकार सत्तेवर आल्यानंतर या सर्व प्रस्तावांची जिल्ह्यातील सातही तालुकास्तरीय समितीकडून फेरतपासणी सुरू करण्यात आली होती.

८ मार्चला १ हजार ५०० रुपयांचे वितरण

निकषात न बसणा[]यांचे अर्ज अपात्र ठरविण्यात आल्यानंतर राज्य शासनाकडून जागतिक महिला दिनाचे औचित्य साधून प्रतिमाह १५०० रुपयांचे वितरण करण्यात आले. अपात्र ठरलेल्या १७ हजार १८३ लाडक्या बहिणी लाभापासून वंचित राहिल्याची माहिती आहे.

निवडणुकांपूर्वी पात्र, आता केले अपात्र

विधानसभा निवडणुका डोळ्यासमोर ठेवून लाडकी बहिण योजना अंमलात आणली गेली. वारेमाप प्रचार व प्रसार करून महिलांची मते मिळविण्यात आली. मात्र, सत्ता मिळताच चारचाकी वाहन, नोकरीवर असलेले, आयकर भरणारे व दुस[]या राज्यात गेलेल्यांचे अर्ज अपात्र करण्याचे निर्देश देण्यात आले.

१४ महिलांनी स्वत:हून लाभ सोडला

जिल्ह्यात आतापर्यंत १४ महिलांनी मुख्यमंत्री-माझी लाडकी बहीण योजनेचा लाभ घेतला होता. आता मात्र या महिलांनी स्वत:हून माघार घेत योजनेचा लाभ नाकारला असल्याचे लेखी पत्र संबंधित तालुक्यातील महिला व बालविकास अधिकारी यांच्याकडे सादर केले.

१००% अजार्ची तालुकास्तरीय समितीकडून पडताळणी

तालुकास्तरीय समितींच्या तपासणीत १७ हजार १८३ लाभार्थ्यांचे प्रस्ताव अपात्र (रिजेक्ट) ठरविण्यात आले आहे. तर २.८२ लाख अर्ज मंजूर झाले.

घोषणाचे २१०० रुपयांचा लाभ केव्हा मिळणार ?

लाडकी बहिणी योजनेत १ प्रारंभापासून दीड हजार रुपये अनुदानाचा लाभ देण्यात येत आहे. परंतु, विधानसभा निवडणुकीदरम्यान २१०० रुपये देण्याची घोषणा महायुती सरकारने केली होती.

परंतु, सत्ता मिळून अद्यापही लाभदेण्यात आलेला नाही. त्यामुळे दरमहा २१०० रुपयांचा लाभ केव्हा मिळणार, हा प्रश्न सतावतो आहे.

सर्वाधिक पात्र लाभार्थी भंडारा तालुक्यातील असून यांची संख्या ६१ हजार ४९७ इतकी आहे. तर सर्वात कमी पात्र लाभार्थ्यांची संख्या लाखनी तालुक्यातील आहे. पात्र लाभार्थ्यांमध्ये २९ हजार १५० लाडक्या बहिनींचा समावेश आहे.

राईस मिलमुळे गावकऱ्यांचे आरोग्य धोक्यात

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पहेला: भंडारा-पवनीराज्य मार्गावरील दवडीपार ते पालगाव दरम्यान पालगाव ग्रामपंचायत अंतर्गत येत असलेल्या राईस मिलमुळे मिलिंग करीत असतांना फार प्रमाणात वायू प्रदूषण होत असून आरोग्याला नुकसानीसच ठरत आहे. या राईस मिलमुळे दिवसभर तांदूळ प्रक्रिया ही करीत असल्याने तांदूळ प्रक्रियाची मिलिंगचालू असते. परंतू सर्वधानाच्या भुसाहा रोडवर उडत असतो. दुचाकी प्रवाशांना कणाच्या स्वरूपात भुसा हा डोळ्यात जात असून प्रवासी प्रवाशांना प्रवास करतेवेळी आरोग्य धोक्यात आणले आहे. मील मालकांनी बांधकाम काम करतेवेळी धुतोंडा रचला. परंतू आवार भिंतीचे काम झालेच नसल्याने सर्वत्र धानाच्या भुसा हा सर्व कडेही पाहायला मिळते.

हा सर्व प्रकार तिरुपती राईस मिल पालगाव येथील आहे. याप्रकाराकडे ग्रामपंचायत तथा संबंधित अधिकारीने दुर्लक्ष केले असून धान्याच्या भूसा हा डोळ्यात जातोय तथा धान याची भुसाचे कण सुद्धा रस्त्यावर विखुरलेले आढळते. मिलिंग करीत असताना धनाचा भुसावळ साठवणुकीकरीता मोठी आभार भिंत असणे आवश्यक होते. परंतू राईस मिल हे मार्ग लगतच असल्याने हवेच्या प्रभावामुळे धानाचा भुसा हा सर्वकडे उडत असतो. तसेच राईस मिलच्या अमोरासमोरच प्लास्टिक कंपनी असल्याने सर्वत्र घाण पसरली असून सांडपाण्याचा निचरा होत आहे. येथे सर्वत्र घाण पसरली राहते. त्यामुळे सांडपाण्याच्या निचरा होत असल्याने दुर्गंधीही पसरत आहे. या मार्गावरून वरिष्ठ अधिकारी सुद्धा सतत प्रवास करीत असतात. परंतू अधिका[]यांची नजर कधीच भरकटलेली आढळत नाही.

शालेय विद्यार्थ्यांच्या पोषण आहाराचा तांदूळ संपला, खिचडी शिजणार कशी?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

हरदोली (सिहोरा): शालेय पोषण आहार योजनेतील धान्यादि मालाबरोबरच आता तांदळाचा पुरवठाही बंद झाला आहे. तांदळाचा पुरवठा करणा[]या कंत्राटदाराचा करार फेब्रुवारी २०२५ ला संपल्यामुळे शाळांना तांदळाचा पुरवठा करणे बंद झाले आहे असे बोलल्या जात आहे तर दुसरीकडे तुमसर तालुक्यातील अनेक जिल्हा परिषद प्राथमिक शाळेत तांदूळ आता संपला असून मागील पंधरा दिवसापासून शिक्षकांनी गावातील स्वस्त धान्य दुकानदाराकडून धान्य उसनवार घेऊन विद्यार्थीची भूक भगवल्या जात आहे. शाळेकडून तांदळासाठी मागण्या येऊ लागल्या आहेत. पण पुरवठाच बंद असल्याने विद्यार्थ्यांची खिचडी शिजणार कशी, असा सवाल विविध शाळेच्या मुख्याध्यापकांनी केला आहे.

महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिव्ह कन्झुमर फेडरेशनला नागपूर विभागांतर्गत येणा[]या शाळांना तांदळाचा पुरवठा करण्याचा कंत्राट दिला होता. सरकारच्या एफसीआय गोदामातून पुरवठादार तांदळाची उचल करून, शाळांना त्याचा पुरवठा करीत होते. मात्र मागील फेब्रुवारी महिन्यात फेडरेशनचा करार संपला. नव्या करारासंदर्भात पुढची पावले शासनाने उचलली नसल्यामुळे त्यामुळे फेडरेशनने शाळांना तांदळाचा पुरवठा करणे थांबविले आहे.

अशीच अवस्था धान्यादि मालाच्या संदर्भातही झाली आहे. 'शापोआ' योजनेंतर्गत विद्यार्थ्यांना द्यावयाच्या मध्यान्ह भोजनाकरिता आवश्यक धान्यादि माल पुरवठा करण्याचा कंत्राटसुद्धा संपला आहे. शिक्षण विभागाने मुख्याध्यापकांना धान्यादी मालाची खरेदी करण्याचे निर्देश दिले आहे. शिक्षण विभागाच्या या निर्णयाला शिक्षकांनी विरोध केला आहे.

प्रशासनाच्या वेपर्वाईचा फटका आम्ही का भोगावा, असा सवाल शिक्षकांचा आहे. शाळांना धान्यादी मालाचा पुरवठा नाही, तांदळाचा पुरवठा बंद झाला आहे.

शासनाने शालेय पोषण आहार विद्यार्थ्यांना नियमित ग्राठा, असे स्पष्ट निर्देश आहे.

शासनाकडून साहित्यच उपलब्ध होत नसेल तर विद्यार्थ्यांना पोषण आहार देणार कसे, असा सवाल शिक्षकांकडून विचारण्यात येत आहे. शासनाने पुरवठ्यासंदर्भात कुठलाच निर्णय अद्यापही न घेतल्याने शिक्षण अधिकारीसुद्धा हतबल आहेत, शालेय पोषण आहार योजना ही सर्वोच्च न्यायालयाच्या दिशानिदेर्शानुसार सुरू आहे. पुरवठादाराशी करार संपणे, तांदूळ व धान्यादी मालाचा पुरवठा बंद होणे हे प्रकार सर्वोच्च न्यायालयाच्या निदेर्शाची अवहेलनाच आहे. शालेय पोषण आहार ही महत्त्वपूर्ण योजना असल्यामुळे शासनाने पचार्ची व्यवस्था करणे गरजेचे आहे.

सर्किट हाऊस येथे सभेचे आयोजन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : अत्त दीप भव . भवतू सब्ब मंगलम असे विज्ञानवादी प्रखर तत्वज्ञान सांगणारा बुद्धाचा धम्म सम्राट अशोकांच्या प्रतिक्रांतीनंतर काही काळ मात्र भारतातून त्याची प्रचाराची गती मंदावली. 1956 ला रक्ताचा एकही थेंब न सांडविता डॉ बाबासाहेब आंबेडकरांनी धम्मदीक्षा घेऊन आणि अनुयांना दीक्षा देत धम्माच्या नव्या क्रांतीला सुरुवात केली. आता मात्र नवीन पिढीला बुद्धाच्या तत्त्वज्ञानाची फारशी माहिती नसल्यामुळे व बोगस भिक्खू , बोगस प्रसारकरांच्या मूलथापांना बळी जात धम्मा च्या तत्त्वज्ञानाच्या मूळ गाभ्यालाच नक लावले जात आहे. आणि म्हणून भंडारा शहरात येत्या बुद्ध जयंतीला 50 हजार उपासक उपासिकां चा सामूहिक बौद्ध धम्मदीक्षाचा कार्यक्रम आयोजित करण्याचे ठरले आहे. त्यासाठी आज दिनांक 11 .3 .2025 ला भंडाराचे सर्किट हाऊस मध्ये सभेचे आयोजन केले होते.सभेचे अध्यक्ष स्थान जेष्ठ नेते डॉ प्राचार्य पुरण लोणारे होते. सभेला पॅंथर परमानंद मेश्राम ,पॅंथर अचल मेश्राम ,श्रीराम गणेर ,महादेव मेश्राम , म वा दहिवले,पॅंथर शशिकांत भोयर, पॅंथर नाशिक चवरे, प्रिया शहारे, पॅंथर पायल सतदेवे, हेमाताई गजभिये , कपिलाताई रामटेके , पॅंथर चंद्रशेखर खोब्रागडे ,नवनाथ आकरे ,श्रीराम बोरकर, विनोद रामटेके ,जयदीप बागडे आणि शेकडो च्या संख्येने नागरिक उपस्थित होते.

सभेचे संचालन पॅंथर शशिकांत भोयर, तर आभार पॅंथर नाशिक चौरे यांनी केले . पुढील नियोजनासाठीची बैठक 17 मार्चला भंडारा येथील सर्किट हाऊस मध्ये आयोजित केली आहे असे पॅंथर परमानंद मेश्राम यांनी कळविले आहे.

चुलबंद नदीपात्रात तस्करांकडून रेतीची चोरी; शासन व प्रशासन मेहरबान काय करत आहे?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पालांदूर : लाखनी तालुक्यातील चुलबंद नदीच्या विस्तीर्ण पात्रात मोठ्या प्रमाणात रेती उपलब्ध आहे. मिरेगाव, पळसगाव, दिघोरी, लोहारा, नरव्हा, पाथरी, मन्हेगाव, तावशी, खोलमारा व वाकल या घाटांमध्ये रेतीचा साठा मोठा असूनही अधिकृत लिलाव न झाल्याने अवैध उत्खननाला ऊत आला आहे. गतवर्षी पळसगाव व वाकल रेतीघाट लिलावासाठी उपलब्ध होते. मात्र, मागील चार महिन्यांपासून हे घाट पूर्णतः बंद आहेत. परिणामी, नदीपात्रात मोठ्या प्रमाणात रेती साचली आहे. स्थानिक तस्करांनी याचा गैरफायदा घेत अवैध उत्खनन वाढवले आहे. प्रशासनाच्या दुर्लक्षामुळे दिवस-रात्र रेती उपसा सुरू असून, पर्यावरणाचा मोठा हास होत आहे. भूजल पातळी धोक्यात आली असून, जलस्रोतांवरही परिणाम होत आहे. अवैध रेती उत्खनन रोखण्यासाठी प्रशासनाने तातडीने उपाययोजना करणे आवश्यक आहे. रेतीघाटांचा त्वरित लिलाव करणे, नदीपात्रात गस्त वाढवणे आणि तस्करांविरोधात कठोर कारवाई करणे गरजेचे आहे. प्रशासनाने मनावर धरले तर निश्चितच नैसर्गिक साधनसामग्री आजही कायम राहून होणा[]या निसगार्ची हानी टाळता येऊ शकते. मात्र प्रशासन कारवाई करण्यास टाळाटाळ करीत असल्याने खनिजांची उत्खनन करणा[]यांची हिंमत बळावल्याचे दिसून येत आहे.

एक हातात मोबाईल व दुस[]या हातात स्टेअरिंग...

रेती तस्कर बेभान होऊन वाहन चालवितात. एका हातात मोबाईल व दुस[]या हातात स्टेअरिंग ठेवून बिनधास्त सुसाट वाहने धावतात. यांच्या वाहनांना नंबर सुद्धा नसतो. प्रशासन डोळे बंद करून निमूटपणे मूकसंमती असल्यासारखे वागत असल्याचा आरोप नागरिकातून होत आहे.

मन्हेगाव घाटावर रेती तस्करांचा ताबा...

मन्हेगाव घाटावर दिवस-रात्र रेतीचा उपसा करून नदी नाले पात्र उथळ पडले आहेत. गावक[]यांनाही त्यांचा त्रास वाढत आहे. प्रशासनाने वेळीच दखल घेतली तर निश्चितच तस्करांना रोखण्यात वेळ लागणार नाही हे विशेष!

रेतीला मोठी मागणी...

लाखनी तालुक्यासह जिल्ह्यातील इतर नदीपात्रातून उपलब्ध होणा[]या रेती अर्थात वाळूला जिल्ह्यात व जिल्हाबाहेर सुद्धा मोठी मागणी आहे. ट्रक, ट्रॅक्टर व बैलबंडीने रेतीची उलाढाल मोठ्या प्रमाणात होत आहे.

शासकीय स्तरावर व खासगीतही बांधकामे सुरू आहेत. त्यावर चोरट्या रेतीचा वापर सुरू आहे. चोरीतली रेती असल्याने मनमजीर्ने दर ठरवून शासनाचा महसूल बुडवून तस्कर गब्बर होत आहेत. याची माहिती महसूल विभागासह ६ अनेकांना माहित असली तरी तक्रारीसाठी कुणीही पुढे धजावत नाही. त्यामुळे महसूल बुडत आहे.

६०० रुपये ब्रास या शासकीय दराने रेती पुरवा

ग्रामपंचायतीला व तलाठी कार्यालयाला विश्वासात घेऊन सुशिक्षित बेरोजगारांना घाट लिलावात द्या. बेरोजगारांना काम मिळवून स्थानिक ग्रामपंचायतीचे उत्पन्न वाढीला मदत शक्य आहे.

जलजीवन योजनेचे कोट्यावधी रुपए 'पाण्यात'

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

जवाहरनगर : भंडारा तालुक्यातील सावरी जवाहरनगर येथे जलजीवन मिशन अंतर्गत पाणी पुरवठा योजना २०२२ रोजी मंजुरात मिळाली. ३ वर्ष होवूनही अद्याप जलजीवन मिशनचे काम अपूर्ण आहे. ते काम पूर्ण करा अन्यथा ग्रामस्थांना घेवून धागर मोर्चा काढणार असल्याचा इशारा सरपंच गिरीश ठवकर यांनी दिला आहे. कोट्यवधी रुपए खर्च करूनही ग्रामस्थांना हरघर जल योजनेचे पाणीच मिळत नसल्याचे शासनाचे कोट्यवधी रुपये पाण्यात गेले आहे. जलजीवन योजनेत घरघर लागली असून भ्रष्ट अधिका[]याद्वारे ठेकेदारांचेच पोषण होत आहे.

नागरिकांना मात्र, शुध्द पाणी सोडा साधे पाणीही मिळत नाही. जल जीवन मिशन हर घर जल, घर घर नल ही योजना भंडारा तालुक्यातील सावरी जवाहरनगर या गावांमध्ये सुद्धा राबविण्यात येत असून या योजनेसाठी केंद्र शासनाचा अर्धा हिस्सा ५३ लाख ९६ हजार व राज्य शासनाचा अर्धा हिस्सा ५३ लाख ९६ हजार रुपये एकूण एक कोटी ७ एक कोटी ७ लाख ९२ हजार

रुपये एयदा भक्कम निधी येऊन सुद्धा तीन वर्षे झाली गावांमध्ये एक शेब सुद्धा नळाला पाणी आलेले नाही व या सर्व योजनेचे खापर नाहक सरपंचावरती फुटत असून सरपंच गिरीश संतोष ठवकर यांनी याबद्दल नाराजी व्यक्त केली आहे. या योजने अंतर्गत काम करणारे ठेकेदार नरेंद्र धाबेकर यांना या योजनेची तांत्रिक मान्यता दि. २५ मे २०२२ रोजी भेटली असून कायार्रंभ आदेश दि. २४ फेब्रुवारी २०२३ भेटलेला आहे ही योजना काल मर्यादित असून या योजनेची पूर्ण होण्याची दि. ३० मार्च २०२४ असून सुद्धा ठेकेदारांनी अद्यापपर्यंत काम पूर्ण केलेले नसून गावाला पाण्यापासून वंचित ठेवून गाव वेठीस धररा धरले आहे.\

नुकत्याच २६ जानेवारी २०२५ रोजी झालेल्या ग्रामसभेमध्ये जेव्हा हा मुद्दा उपस्थित करण्यात आला. तेव्हा सर्व गावक[]यांनी मिळून एकमताने मुख्य कंत्राटदार नरेन्द्र धाबेकर व अंमबजावणी यंत्रणा, कार्यकारी अभियंता, ग्रामीण पाणी पुरवठा विभाग जिल्हा परिषद, भंडारा यांना या योजनेमध्ये एवढी दिरंगाई का होत आहे व कंत्राटदारांना कोण पाठीशी घालत आहे. या सर्वांची सखोल चौकशी व्हावी व जे कोणी यामध्ये दोषी असतील त्यांच्यावर कडक कारवाई करावे असे एकमताने ठरले होते.

याला ३४ दिवसाची कालावधी

लोटला तरी वरील यंत्रणांनी कुठलेही पाऊल उचले गेले नाही असे न झाल्यास पाण्यासाठी सरपंच स्वतः ग्रामपंचायत सहकारी सदस्यसह गावक[]यांना घेऊन पाण्यासाठी तीव्र आंदोलन करतील व घागर मोर्चा सुद्धा काढतील. वेळ आली तर पंचायत समिती व जिल्हा परिषद भंडारा येथे स्वतः व ग्रामपंचायत सहकारी सदस्यासह गावक[]यांना घेऊन जाऊन घागर मोर्चा काढतील असे त्यांनी सांगितले.

\या योजनेअंतर्गत नऊ टप्पे असून त्यामध्ये प्रथम जुन्या विंधन विहरीची क्षमता घेणे, दुस[]या टप्प्यांमध्ये पंपिंग मशिनरी व सोलरपंप तिस[]या टप्प्यांमध्ये उर्ध्वनलीका चौथ्या टप्यांमध्ये टाकीचे व फिल्टरचे काम करणे व पाचव्या टप्यांमध्ये स्विच रूम, सहाव्या टप्यांमध्ये वितरण व्यवस्था, सातवा टप्पा गाव अंतर्गत येणारी पाईपलाईन करणे, आठवा टप्पा इतर किरकोळ कामे व नववा टप्पा हा ट्रायल रन हे असे नऊ नियोजित टप्पे असून सुद्धा ठेकेदाराने व अभियंतांनी मिळून दोन टप्पे पूर्ण करून इतर सात टप्प्यातील कुठलेही काम अद्याप पर्यंत झालेले नाही. वितरण व्यवस्था व नळ जोळणी पूर्वी गावातील पूर्ण सिमेंट चे रस्ते व नाल्या ड्रील मशीनने तोडताना चोरीची विजेचा वापर केला गेला होता. त्याची रीतसर पोलिस ठाण्यात यात तक्रार तक्रार देखील देखील केली गेली. गावामध्ये जेवढे सिमेंटचे रस्ते व नाल्या होते. तेवचे सर्व कंत्राटदाराने पाईपलाईन खोदण्याकरिता पूर्ण खराब केले असून आता पुढे येऊ घातलेल्या पावसाळ्यामध्ये गावात चालणे सुद्धा मुश्किल होणार आहे व त्याचं सर्व खापर सरपंचावरती फुटणार म्हणून ग्रामपंचायत ने १५ वित्त आयोग फंडातून या कंत्राटदाराला वाचविण्यासाठी गावातील काही सिमेंटचे रस्ते व नाल्या ची दुरुस्ती केली गेली. इतर काने करताना जोपर्यंत पाईपलाईनची टेस्टिंग होत नाही. तोपर्यंत तेही काम ग्रामपंचायतला करता येत नाही. ही योजना खरोखर लोकहिताची आहे का? की कंत्राटदाराला पोसण्याकरिता ही योजना आहे. हा मोठा प्रश्न यावेळी उपस्थित केला जात आहे. पाणीपुरवठा योजना सुरु करण्यासंबंधी कित्येकदा ग्रामीण पाणीपुरवठा विभागाला पत्रव्यवहार केला आहे.

महायुती सरकारला निवडणुकीतील आश्वासनांचा विसर पडला : खासदार डॉ.प्रशांत पडोळे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र सरकारच्या १० मार्च २०२५ रोजी सादर केलेल्या अर्थसंकल्पावर काँग्रेसचे भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्राचे खासदार डॉ.प्रशांत पडोळे यांनी तीव्र नाराजी व्यक्त केली आहे. हा अर्थसंकल्प म्हणजे केवळ नवीन घोषणांचा बाजार असून, प्रत्यक्षात सामान्य जनतेच्या हाती काहीच लागणार नाही. निवडणुकीपूर्वी दिलेली आश्वासने महायुतीतील सर्व पक्ष विसरले आहेत. जनता आता या महायुती सरकारला धडा शिकवेल, अशी प्रतिक्रिया खासदार डॉ.प्रशांत पडोळे यांनी दिली.

सध्या संसदेच्या अधिवेशनासाठी नवी दिल्ली येथे आहेत. त्यांनी सांगितले की, विधानसभा निवडणुकीपूर्वी महायुती सरकारने महिलांना दरमहा २१०० रुपये देण्याचे आश्वासन दिले होते. निवडणूक प्रचारासाठी भंडारा जिल्ह्यात आलेले तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांनी तर प्रचारादरम्यान दीड हजार, दोन हजार, अडीच हजार, तीन हजार अशा टप्प्यामध्ये अनुदान वाढवण्याची घोषणा करून टाळ्या घेतल्या होत्या. मात्र, या अर्थसंकल्पात वाढीव रकमेचा उल्लेखही नाही. पुढील काळात हे सरकार हे अनुदानच बंद करेल, तर आश्चर्य वाटू नये.

शेतक[]यांसाठीही सरकारने कोणताही ठोस विचार केलेला नाही. नैसर्गिक आपत्ती, कर्जबाजारीपणा आणि उत्पादन खर्चाच्या वाढीमुळे शेतकरी अडचणीत आहेत, मात्र त्यांना सरकारने पुन्हा वा[]यावर सोडले आहे. शेतकरी सन्मान निधी किंवा कर्जमाफी याचा सरकारच्या भाषणातही उल्लेख नाही. महिला सुरक्षित नाहीत.

रोजगार आणि उद्योग क्षेत्रातही कोणतीही ठोस तरतूद नाही. सरकारने नवीन संधी निर्माण करण्याच्या गप्पा मारल्या, पण प्रत्यक्षात काहीच केले नाही. फक्त घोषणाबाजी, भाषणबाजी आणि आकड्यांचा खेळ सुरू आहे, पण सामान्य माणसाला त्याचा काहीही उपयोग नाही. डॉ.प्रशांत पडोळे म्हणाले की, सरकारने जनतेची सरळसरळ फसवणूक केली आहे. महायुतीने फसवणूक केली आहे, याची जाणीव आता राज्यातील जनतेला झाली आहे. दिलेल्या आश्वासनांची पूर्तता झालेली नाही. हा अर्थसंकल्प दिशाहीन असून महाराष्ट्राच्या जनतेची थट्टा करणारा आहे.

जर सरकार अशाच पद्धतीने दिशाभूल करत राहिले, तर महाराष्ट्राच्या विकासाला मोठा फटका बसणार आहे. राज्यातील जनतेच्या अडचणी दिवसेंदिवस वाढतच जाणार आहेत. अशी प्रतिक्रिया भंडारा गोंदिया लोकसभा क्षेत्राचे खासदार डॉ.प्रशांत पडोळे यांनी दिली.

गावाकडच्या जोडप्यांनाही हवंय आता प्री-वेडिंग शूटिंग !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : लग्नातील संस्कार मागे पडून आता इव्हेंटला प्राधान्य दिले जात आहे. लग्नाच्या आठवणी आयुष्यभर जपण्यासाठी फोटोग्राफी आणि व्हिडीओ शूटिंगला प्राधान्य दिले जाते. आता या क्षेत्रात नवनवीन ट्रेंड समोर आले आहेत. विशेषतः प्री-वेडिंग फोटोग्राफीची क्रेझ झपाट्याने वाढत आहे.

भावी वर-वधूकडून याला मोठी पसंती मिळत आहे. प्री-वेडिंग फोटोग्राफीचा ट्रेंड वाढत आहे, तसाच लग्नाचा वाढता खर्च वाढला आहे. एकेकाळी लग्न साध्या पद्धतीने केले जायचे; परंतु आता लग्नाचा थाटबाटच बदलला आहे. कोरोनाकाळात अत्यंत साध्या पद्धतीने पार पडलेले विवाह सोहळे पाहता फोटोग्राफी बंद होण्याच्या वाटेवर असताना आता फोटोग्राफीचे रंगरूपच बदलले आहे. आता लग्नात ड्रोन कॅमेरे, लग्नाआधी लागणारी हळद आणि प्री-वेडिंग फोटोशूट, असे अनेक प्रकार समोर आले आहेत. त्यास अनेकांची पसंती मिळत आहे. प्री-वेडिंग शूटच्या नवीन प्रकारास पसंती दिली जात आहे. एलईडी स्क्रीनवर दृश्य दाखविले जात आहेत.सध्या अनेक लग्नसोहळे भव्यदिव्य स्वरूपात साजरे होताना दिसतात. साखरपुडा, हळद व लग्न समारंभातील फोटो व व्हिडीओ शूटिंग करण्यासह लग्नाच्या आधीच्या क्षणांचा आनंद साठवून ठेवण्याकडेही तरुणाईचा कल वाढला आहे.

एसपी हसन को FICCI स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा जिले के पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन को उनके अत्याधुनिक एआई-आधारित निगरानी प्रोजेक्ट 'स्मार्ट बॉट' और वर्धा एवं भंडारा जिले में स्मार्ट पुलिसिंग के सफल क्रियान्वयन के लिए एफआईसीसीआई स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया है. यह पुरस्कार साइबर क्राइम रोकथाम और नागरिक सुरक्षा में पुलिस की भूमिका को देखते हुए प्रदान किया गया. दिल्ली में आयोजित एफआईसीसीआई होम्लैन्ड सिक्युरिटी कान्फ्रन्स के अवार्ड समारोह में एसपी नूरुल हसन ने यह सम्मान प्राप्त किया.

उन्होंने कहा कि स्मार्ट पुलिसिंग ने जिले की सुरक्षा को नई मजबूती दी है. यह प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) तकनीक से लैस है और साइबर अपराध रोकथाम, फ्रॉड पकड़ने और आपदा प्रबंधन में अहम भूमिका निभा रही है. उन्होंने कहा कि एफआईसीसीआई

द्वारा यह राष्ट्रीय मान्यता भंडारा पुलिस के नवाचार और जनसुरक्षा के प्रति समर्पण को प्रमाणित करती है.

सुरक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम

पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार (ऋडक) ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए कई पहल की हैं. इसके अलावा एफआईसीसीआई भी गृह मंत्रालय की नीतिगत सलाह और उद्योग भागीदारी में सहयोग करता है. यह पुलिस आधुनिकीकरण, स्मार्ट पुलिसिंग, स्मार्ट बॉर्डर मैनेजमेंट और सुरक्षित एवं संरक्षित शहर कार्यक्रम जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रोंमें योगदान देता है.

मुख्यमंत्री ने भी की सराहना

कुछ ही दिनों पहले मुख्यमंत्री एवं राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर एसपी नूरुल हसन के 'स्मार्ट बॉट' उपक्रम की सराहना की थी. इस प्रणाली के माध्यम से नागरिकों को साइबर फ्रॉड के खिलाफ त्वरित सहायता और मार्गदर्शन मिलता है. यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो वह व्हाट्सएप नंबर 7447470100 पर संपर्क कर रिपोर्ट दर्ज करा सकता है या आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है. स्मार्ट बॉट पहल ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे आम जनता को राहत मिल रही है.

किसानों के खाते में 613 करोड़ का धान जमा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

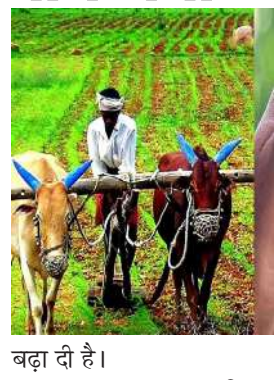

भंडारा : खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के तहत किसानों के खातों में कुल 613 करोड़ रुपये की राशि ऑनलाइन विधि से जमा की गई है। यह राशि भंडारा जिले के उन धान खरीद केंद्रों के प्रमाणित हुंडा कार्यालयों में जमा की गई है। जिन किसानों के खातों में यह राशि जमा की गई है, वे उक्त केंद्रों के हैं।

11 मार्च 2025 तक जिले में कुल 1,65,796 किसानों का पंजीकरण हुआ है, और 90,886 किसानों से 28,62,229.95 क्विंटल धान खरीदा गया है। सरकार ने 31 मार्च 2025 तक धान खरीद की अवधि बढ़ा दी है।

इस अवसर पर, जिला अधिकारी डॉ. संजय कोलते के निदेर्शानुसार, जिला विपणन अधिकारी श्री सुधीर एस. पाटिल ने किसानों से आग्रह किया है कि वे सरकार द्वारा जारी सभी निदेर्शों का पालन करते हुए पंजीकृत किसानों से धान की खरीद करें।

गोबरवाही स्टेशन में 'तत्काल' सुविधा नहीं

ग्रामीणों को हो रही है भारी परेशानी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोबरवाही : गोबरवाही सहित आसपास के 10 से 12 ग्रामों के हजारों नागरिकों को रेल यात्रा के दौरान तत्काल आरक्षण सुविधा के अभाव में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने मांग की है कि गोबरवाही रेलवे स्टेशन पर तत्काल टिकट आरक्षण की सुविधा शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें हर बार 30-35 किलोमीटर दूर जाकर टिकट बनवाने की मुसीबत से छुटकारा मिल सके.

वर्तमान में गोबरवाही रेलवे स्टेशन पर सामान्य आरक्षण सुविधा तो उपलब्ध है, लेकिन यदि किसी यात्री को आपात स्थिति में तत्काल टिकट लेना हो, तो उसे नजदीकी तुमसर रोड या तिरोड़ी रेलवे स्टेशन की ओर रुख करना पड़ता है. यह दूरी न केवल समय और धन की बबार्दी करती है, बल्कि वृद्धों, महिलाओं और बीमार यात्रियों के स्थानीय ग्रामवासियों का कहना है कि गोबरवाही क्षेत्र एक प्रमुख ग्रामीण अंचल है, जहां से प्रतिदिन सैकड़ों लोग यात्रा करते हैं. विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों एवं आपातकालीन चिकित्सा कारणों से यात्रा करने वाले नागरिकों के लिए तत्काल आरक्षण सुविधा अत्यंत आवश्यक है. ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए रेलवे प्रशासन से निवेदन किया है कि गोबरवाही स्टेशन को तत्काल आरक्षण सुविधा से युक्त किया जाए. उन्होंने कहा कि यदि मांगों की अनदेखी की गई तो वे आंदोलन करने के लिए भी बाध्य होंगे.

स्टेशन पर मूलभूत सुविधा से है वंचित

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि डिजिटल युग में जब हर स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, तब गोबरवाही जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन को ऐसी मूलभूत सुविधा से वंचित रखना दुर्भाग्यपूर्ण है. अब देखना यह होगा कि रेलवे प्रशासन इस मांग पर कब तक संज्ञान लेता है और गोबरवाही स्टेशन को भी तत्काल आरक्षण सुविधा से सुसज्जित करता है.

ग्रामीणों ने रेल विभाग से गुहार लगाई है कि हमारे भी स्टेशन पर तत्काल टिकट की सुविधा उपलब्ध हो, ताकि यात्रा हो सहज और सुलभता के साथ पूरा किया जा सकें.

विकसित राष्ट्र में होगा महाराष्ट्र का अहम योगदान

पीएम का सपना, अजीत का 'अपना'

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा :हमारी कोशिश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस सपने को पूरा करना है, जिसमें उन्होंने साल 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है. केंद्र की मोदी सरकार भारत को 2027 तक 5 ट्रिलियन जबकि 2047 तक 55 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है. पीएम मोदी के उन्हीं सपनों को उप मुख्यमंत्री अजीत पवार व महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने अपना बना लिया है. फडणवीस सरकार महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बना कर मोदी के सपने को साकार करने में मदद करने का प्रयास कर रही है. 'महाराष्ट्र अब नहीं

रुकेगा..., विकास में अब देरी नहीं होगी...' के संकल्प के साथ उप मुख्यमंत्री तथा वित्त व योजना मंत्री पवार ने विधानसभा में वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया. उन्होंने कहा कि यह बजट 'विकसित भारत

विकसित महाराष्ट्र' के सपने को साकार करने वाला है, जिसमें कृषि, कृषि क्षेत्र, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, बुनियादी ढांचा, सामाजिक विकास जैसे अनेक क्षेत्रों के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं. इससे घरेलू और विदेशी निवेश, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे.

यह बजट विधानसभा चुनाव में राज्य के मतदाताओं द्वारा जताए गए विश्वास पर खरा उतरने में सफल होगा. राज्य में निवेश के लिए अनुकूल माहौल है और औद्योगिक विकास में राज्य हमेशा अग्रणी रहा है तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में भी देश में हम शीर्ष पर हैं.

कूड़ा-कचरा जलाने वालों पर करें कार्रवाई

प्रदूषण से अनेक बीमारियों को न्योता

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा: शहर के गली मोहल्ले में प्रतिदिन सफाई कर्मियों द्वारा साफ सफाई की जाती है और कचरे को एकत्रित कर ट्रैक्टर में डालकर डंपिंग यार्ड में ले जाया जाता है. लेकिन कुछ एक वार्डों में लोग अपने परिसर का कचरा साफ कर उसे मार्ग किनारे जमा कर उसमें आग लगा देते हैं जो नियमों के खिलाफ है. ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की मांग जागरुक नागरिकों ने नप प्रशासन से की है. रोज शहर में किसी न किसी वार्ड में सुबह के दौरान कूड़ा कचरा जलाया जा रहा है और इस कचरे से निकलने वाला धुआं व प्रदूषण हानिकारक है जो कई बीमारियों को न्योता देता है. खासकर सुबह के दौरान मॉर्निंग वाक के लिए जा रहे लोगों को इससे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है. विशेष बात यह है कि शहरी क्षेत्रों में खुले

में कूड़ा जलाना कानून के तहत अपराध है, लेकिन इस ओर संबंधित विभाग की अनदेखी नजर आ रही है. नेशनल ग्रीन आर्बिट्रेशन एक्ट, 2010 की धारा 15 के तहत खुले में कूड़ा जलाने पर दोषियों को जुमार्ना देना होता है. कूड़ा कचरा जलने से धुआं प्रदूषित करता है. कार्बन डाइऑक्साइड के साथ-साथ कुछ अन्य तत्व रासायनिक जहरीली गैसें उत्पन्न करते हैं.

यह सांस द्वारा फेफड़ों को संक्रमित करता है. उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि धुआं दूसरों को परेशानी का कारण बनेगा. बावजूद इसके संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है. ऐसे में आए दिन इस तरह की घटना हो रही है.

धुएं से निकलती है जहरीली गैसें

चिकित्सा विशेषज्ञों की राय है कि ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि यह एक स्वस्थ व्यक्ति के साथ-साथ बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए अधिक खतरनाक है. कचरे के धुएं से जहरीली गैसें निकलती हैं. इससे नाक, गला, आंख और त्वचा के रोग प्रबल होते हैं. आंखों में सूजन, खुजली, सर्दी-खांसी जैसे रोग बढ़ जाते हैं. खासकर बच्चों के नाजुक श्वसन तंत्र तुरंत प्रभावित होते हैं.

सहा वर्षीय अनाबिया समीर नवाज ने रखा रोजा, समाज में बधाइयों की लहर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा: रमजान के पाक महीने में रोजा (उपवास) रखना हर मुस्लिम व्यक्ति के लिए जरूरी होता है। खासतौर पर गर्मी के मौसम में इसे निभाना मुश्किल होता है। लेकिन भंडारा के टंडन वार्ड की सहा वर्षीय अनाबिया समीर नवाज ने पूरे समर्पण के साथ अपना पहला रोजा रखा और इसे पूरी श्रद्धा से पूरा किया।

इस्लाम धर्म के पांच मुख्य स्तंभों झ्र कलमा, नमाज, रोजा, जकात और हज झ्र में से रोजा भी एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है। रमजान के दौरान अधिकतर वयस्क मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखते हैं, लेकिन छोटे बच्चों में यह कम देखा जाता है। बावजूद इसके, अनाबिया ने अपने पहले रोजे की जिद की और उसे पूरा कर दिखाया।

रोजा खोलने के समय अनाबिया को नए कपड़े पहनाए गए, फूलों की माला पहनाई गई और उसके इस संकल्प की सराहना की गई। इस मौके पर हिंदू-मुस्लिम समाज के कई गणमान्य लोगों ने उसके इस प्रयास की सराहना की।

नवोदित प्रतिभा की शिक्षा और समर्थन

अनाबिया इनोवेटिव इंटरनेशनल स्कूल, खात रोड, भंडारा में प्रथम कक्षा की छात्रा है। उसकी इस उपलब्धि पर परिवारजनों और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उसे बधाइयां दीं।

बधाई देने वाले प्रमुख व्यक्ति:

परिवार : आजोबा हाजी मोहम्मद शरिफ शेख, आई फराह शेख, वडील समीर नवाज (वर्ड कॉम्प्युटर एज्युकेशनचे संचालक), आजी रेहाना बेगम शेख, नाना रियाज खान, नानी रेहाना खान।

शिक्षण क्षेत्र : इनोवेटिव इंटरनेशनल स्कूलचे नजाहत परवेज खान (बाबुभाई), मुख्याध्यापिका ज्योती माकोळे।

क्रीडा क्षेत्र : भारतीय आट्यापाट्या संघाच्या कर्णधार कु. प्राची चटप।

सामाजिक व प्रशासनिक क्षेत्र: प्रा. शाहनवाज शेख, अपर्णा लिमजे, लीना गांधी, तौसिफ शेख (रूमा कलेक्शनचे संचालक), इंडियन रेड क्रॉस सोसायटीचे सदस्य विलास केजरकर।

संघटना व प्रतिष्ठित व्यक्ती: ग्रामीण युवा प्रगती मंडळाचे सचिव अविल बोरकर, सेवानिवृत्त केंद्र प्रमुख प्रदीप काटेखाये, रूशान शेख, शायान शेख, शिक्षक रत्न पुरस्कार प्राप्त राहुल मेश्राम, अरशान शेख, यशवंत बिरे, रोहाण शेख, नंदगोपाल फाउंडेशनचे संचालक डॉ. यशवंत लांजेवार, अबुजन शेख व अनेक चाहत्यांनी तिचे अभिनंदन केले।

रमजान के इस पवित्र माह में एक छोटी बच्ची के समर्पण और आस्था ने समाज में प्रेरणा निर्माण केली आहे। अनाबिया के इस पहले रोजे की हर तरफ से सराहना हो रही है।

महिलाओं को सावित्रीबाई फुले का आदर्श अपनाना चाहिए : जिला सूचना अधिकारी शैलजा वाघ

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महिलाओं और युवतियों को सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक कार्यों के लिए करना चाहिए, क्योंकि इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। महिलाओं की उन्नति के लिए क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले ने कई कठिनाइयाँ सहन की, जिसके कारण आज महिलाएं देश के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रही हैं। यह केवल सावित्रीबाई फुले की पुण्याई का परिणाम है। भंडारा नगर परिषद के अधिकारी गर्व महसूस करने योग्य हैं, क्योंकि नगर परिषद की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्होंने महिलाओं को एकजुट किया और एक बड़ी फौज तैयार की है। इन प्रयासों से महिलाएं देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं और उन्हें अपनी उन्नति की दिशा में प्रगति मिल रही है।

यह बात जिला सूचना अधिकारी शैलजा वाघ ने संताजी मंगल कार्यालय में आयोजित महिला सम्मेलन में कही। इस कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद भंडारा बालकल्याण समिति, दीनदयाल अंत्योदय योजना और राष्ट्रीय नगरीय आजीविका मिशन द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. विशाखा जिभकाटे (इंद्राक्षी आय केयर की निदेशक और नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. नितीन तुरस्कर (इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव), और नगर परिषद के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. नितीन तुरस्कर के द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित मान्यवरों ने सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का पूजन, माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया। इसके साथ ही महिला कर्मचारियों, छात्राओं और महिला संगठनों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें हिमोग्लोबिन, शुगर और बीपी की जांच की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को अपने अधिकारों, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति के बारे में जागरूक करना था। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए रांगोली प्रतियोगिता, ग्रीन मैचिंग प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं और युवतियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाले इस कार्यक्रम में नगर परिषद के कर्मचारी, स्वास्थ्य कर्मचारी और महिला स्वयं सहायता समूहों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

100 दिन के क्रियावली कार्यक्रम के तहत खैरी/वलमाझरी में समाधान शिविर

सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वाले नागरिकों में उत्साह

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : आज खैरी/वलमाझरी ग्राम पंचायत कार्यालय में उपविभागीय कार्यालय और तहसील कार्यालय द्वारा '100 दिनों के क्रियावली कार्यक्रम' के अंतर्गत एक विशेष समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में जिल्हाधिकारी संजय कोलते, उपविभागीय अधिकारी अश्विनी मांजे, तहसीलदार निलेश कदम, सरपंच पुरुषोत्तम रुखमोडे, उपसरपंच सत्यपाल मरसकोल्हे, ग्रामविकास अधिकारी नरेश शिवणकर, अनिल फुलझेले (उपअधीक्षक भूमी-अभिलेख कार्यालय साकोली) और विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे। विभिन्न सरकारी विभागों ने शिविर में आए नागरिकों को आवश्यक जानकारी प्रदान की और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया इस समाधान शिविर के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाने में मदद मिली है, और भविष्य में ऐसे प्रयासों से विकास की दिशा में और प्रगति होगी, इस पर विश्वास व्यक्त किया गया है।

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमशेर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655
Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !